

खुल गया जगन्नाथ मंदिर का भीतरी 'तहखाना' राजस्थान यूनिवर्सिटी में छात्रों पर लाठीचार्ज



पुरी। ओडिशा के पुरी में मौजूद जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार (तहखाना) 14 जुलाई के बाद आज एक बार फिर खोल दिया जाएगा। यह तहखाना मरम्मत के लिए 46 साल बाद खोला जा रहा है। तहखाने को खोलने से पहले सुबह 8 बजे ही भक्तों को प्रवेश करने से रोक दिया गया है। तहखाना खोलने से पहले ही 'आज्ञा' की रस्म पूरी हो चुकी है। जिसमें रत्न भंडार को पुनः खोलने के लिए मंत्रों का जादू किया गया है।

मंदिर में एक बाहरी और एक आंतरिक दो कक्ष हैं। आज आंतरिक कक्ष को खोला जा रहा है और इससे पहले सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। ASI की टीम ने मंदिर में प्रवेश कर लिया है और प्रक्रिया शुरू हो गई है।

भक्तों की एंटी बंद

रत्न भंडार (कोणार) के आंतरिक कक्ष से कीमती सामान को अस्थायी स्टोरा रूम में ट्रांसफर किया जाना है। इसलिए भक्तों को एंटी बंद कर दी गई है। मंदिर के संरक्षक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के लिए आंतरिक कक्ष के अंदर संरक्षण कार्य करने के लिए यह वह जगह था कि सबकुछ ट्रांसफर कर दिया जाना। कक्ष को 46 साल बाद 14 जुलाई को भी खोला गया था, ताकि कीमती सामानों की सूची तैयार की जा सके और इसकी संरचना को मरम्मत की जा सके।

छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर कर रहे थे प्रदर्शन



जयपुर। जयपुर में छात्रसंघ चुनाव को बहाल करने की मांग को लेकर जारी छात्रों का आंदोलन छा हो चुका है। राजस्थान यूनिवर्सिटी परिसर में गुरुवार को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने दौड़-दौड़ कर छात्रों की धुलाई की। इस दौरान पुलिस की लाठी से कई छात्र घायल भी हो गए तो कुछ छात्र नेताओं को पुलिस में हिरासत में भी लिया। हालांकि कुछ छात्रों ने पुलिस पर पथर भी बरसाए, जिन्हें पुलिस ने डंडे की परतार से खड़े

को पुलिस ने हिरासत में भी लिया। हालांकि कुछ छात्रों ने पुलिस पर पथर भी बरसाए, जिन्हें पुलिस ने डंडे की परतार से खड़े कर दिया, लेकिन छात्र पुलिस की गाड़ी के आगे लेट गए।

वहीं छात्र प्रतिनिधि मोहना चौधरी का आरोप है कि पुलिस ने पूरी प्लांटिंग के साथ छात्रों पर बर्बरता की है और उन्हें बेरहमी से पीटा है। कई छात्रों के हाथ-पैर टूट गए तो कई छात्रों को गंभीर चोट आई है, जिन्हें पुलिस हॉस्पिटल ले जाने के बजाय केवजह हिरासत में लेकर परेमान कर रही है।

हालांकि छात्र नेता राधाम रखाड़ ने कहा कि उन्होंने गोपीबंदी तरीके से सभी पूर्व छात्र नेताओं से विट्ठी लिखवा सकारात्मक अपनी बात पकड़ाई।

उपमां भाजपा और कांग्रेस सभी नेताओं का समर्थन मिला और वहीं वरुण है कि विधानसभा तक उसने गुज जी लेखन फिर भी सरकार मांग नहीं मान रही है। ऐसे में राजनीति में अस्थिर देखने वाले छात्र बिना छात्र संघ चुनाव कैसे आगे बढ़ेंगे।

दिया, लेकिन छात्र पुलिस की गाड़ी के आगे लेट गए।

जयपुर में छात्रसंघ चुनाव को बहाल करने की मांग को लेकर जारी छात्रों का आंदोलन छा हो चुका है। राजस्थान यूनिवर्सिटी परिसर में गुरुवार को प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने दौड़-दौड़ कर छात्रों की धुलाई की। इस दौरान पुलिस की लाठी से कई छात्र घायल भी हो गए तो कुछ छात्र नेताओं को पुलिस में हिरासत में भी लिया। हालांकि कुछ छात्रों ने पुलिस पर पथर भी बरसाए, जिन्हें पुलिस ने डंडे की परतार से खड़े

न्यूज गैलरी

ट्रेनी आईएसएस पूजा खेडकर की मां को पुणे पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। आईएसएस पूजा खेडकर का नाम आजकल काफी सुर्खियों में है। उनकी नियुक्ति को लेकर देशभर में घमासान मचा हुआ है। अब इस मामले में एक और नया पहलू सामने आया है। पूजा के बाद अब उनके माता-पिता मुंबई में फिर गए हैं। उनकी मां मनोरमा खेडकर को गुरुवार सुबह पुणे पुलिस ने हिरासत में लिया। उसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दरअसल, मनोरमा के खिलाफ एक स्थानीय किसान को धमकाने का आरोप लगा है। उनके खिलाफपुणे पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने पूजा को मां मनोरमा खेडकर के खिलाफ यह कार्रवाई अंतिम विवाद को लेकर बंद कर दिया। कुछ लोगों को धमकाने के आरोप में है। पुणे पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें मारुत के रास्ताड़ लिले के माहड से हिरासत में लिया गया है, जहां वह एक होटल में रूकी हुई थी। उन्हें पुणे लाया गया। यहां उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। दरअसल, विवादित अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर का एक वीडियो व्हाट्सएप हुआ था। इसमें वह अपनी विवाह के दौरान मनोरमा हाथ में बंदूक लिए कुछ लोगों की धमका रही थी। ये वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मनोरमा और उनके पति दिलिप खेडकर समेत सात लोगों को हिरासत में मारुत के एक घर। पुणे प्रमाण एसीपी देवराय ने बताया, 'हमने माहड के एक होटल से उन्हें हिरासत में लिया है। उन्हें पुणे लाया जा रहा है। उनसे पूछाख की जाएगी। औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।' बता दें, मनोरमा, उनके पति और मामले के पांच अन्य आरोपियों का पता लगाने के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। 2023 बैच की आईएसएस पूजा खेडकर पर पुणे में बतौर प्रोबेशन आईएसएस अधिकारी रहते हुए सत्ता के दुरुपयोग का आरोप है। बताया जा रहा है कि उन्होंने कई विरोधीधर्मियों की मांग की, जो प्रोबेशन अधिकारियों को नहीं मिलते हैं। आईएसएस पूजा ने अपनी निजी आँधी कार का इस्तेमाल किया, महाराष्ट्र सरकार का स्टिचर लगाया और यहां तक कि लाल बत्ती भी लगाई।

वेज गुलाटी रेस्तरां में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। बीते कुछ दिनों से देश की राजधानी दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में आग लगने की घटनाएं तेजी से सामने आ रही हैं। अब दिल्ली के इंडिया गेट के पास पंडारा रोड मार्केट में मशहूर वेज गुलाटी रेस्तरां में बुधवार को भीषण आग लगा गई। इस सड़ने में किसी जान का नुकसान तो नहीं हुआ लेकिन रेस्तरां के कुछ फर्नीचर और अन्य सामान जलकर खाक हो गए। आग जलने के बाद वेज गुलाटी रेस्तरां में हल्ला मच गया। इधर फ़ायर ब्रिगेड के अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के मशहूर वेज गुलाटी रेस्तरां में बुधवार को तकरे 2 बजे सुबह में आग लगी। आग उस जगह पर लगी जहां पर सभी बैठे थे। देखते ही देखते आग फैलती महकल तक फैल गई। फ़ायर ब्रिगेड के अनुसार, चार दमकवा बहनों को मौके पर भेज कर एक घंटे के भीतर आग पर काबू पा लिया गया।

शॉर्ट सर्किट से आग का संदर्भ

दिल्ली फ़ायर ब्रिगेड ने बताया कि वेज गुलाटी रेस्तरां में लगी आग के हलसे में कोई घायल नहीं हुआ है। आग से कुछ फर्नीचर और अन्य सामान जलकर खाक हो गए हैं। आग लगने के कारण की बात करें तो पुलिस ने कहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने का संदर्भ है। मामले की जांच की जा रही है।

नीट मामले में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी 'परीक्षा रद्द करने का सही तर्क दें अभ्यर्थी'



सीजेआई ने पूछे याचिकाकर्ताओं को न्यूनतम नंबर

सीजेआई ने परीक्षा रद्द करने वाले छात्रों के मुँह को लेकर पूछा कि याचिकाकर्ताओं को न्यूनतम कितने नंबर मिलें हैं। इस संबंधित प्रश्न ने न्यायाधीशों को 131 छात्र ऐसे हैं, जो 1,08,000 छात्रों में शामिल नहीं हैं, जो वेबपार से परीक्षा चाहते हैं, जबकि 254 छात्र ऐसे हैं, जो उस हद हैं और वे वेबपार एजमा नहीं चाहते हैं।

पेर लीक पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीबाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने याचिकाकर्ताओं के कक्षों से कहा कि याचिकाकर्ता अपने याचिकाकर्ता के साथ एक सही तर्क दे सकते हैं और लीक बंद करने के लिए कोर्ट को राज करने के लिए कहें।

अब विदेशों में भी बिकेगी भारतीय जनऔषधि केंद्र की दवाएं...

भारत ने मॉरीशस में खोला पहला सेंटर

पोर्ट लुई: भारतीय जनऔषधि परियोजना का न सिर्फ भारत में बल्कि बाहर के देशों में भी छेका बजने लगा है। देश पर के मरीजों को सस्ती जैनेरिक दवाएं उपलब्ध कराने वाला भारतीय जन औषधि केंद्र का अब मॉरीशस तक विस्तार किया गया है। इसके तहत मॉरीशस में पहला भारतीय जन औषधि केंद्र खोला गया है, जो यहां के लोगों को सस्ते में जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराएगा। इस केंद्र को खोलने का वादा योगाश मोदी ने किया था। इसके बाद अब विदेशी मंत्री एस.जयशंकर ने मॉरीशस में पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन किया है।

बता दें कि जयशंकर 16 से 17 जुलाई तक दो दिवसीय यात्रा पर मॉरीशस में हैं। इस दौरान मॉरीशस के लोगों के लिए सस्ती दवाओं वाला यह जन औषधि केंद्र शुरू किया गया है।



केंद्र समर्पित किया गया। उद्घाटन के मौके पर मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ भी मौजूद रहे। विदेशी मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ के साथ भारत के पहले विदेशी जन औषधि केंद्र का उद्घाटन -दोनों देशों के बीच विरोध को दूर करने के लिए मॉरीशस के महत्वपूर्ण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमाण है। सभी को सस्ती जैनेरिक दवाओं उपलब्ध करने के लिए जन औषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं।

रूस के साथ संबंधों को लेकर भारत पर दबाव अनुचित, रूसी विदेश मंत्री का पश्चिम पर निशाना

संयुक्त राष्ट्र। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मास्को के साथ उच्च स्तरीय के कारण नई दिल्ली पर पड़ रहे दबाव को पूरी तरह से अनुचित बताया। उन्होंने कहा कि भारत एक महान शक्ति है, जो अपने राष्ट्रीय हित बचाने में तय करता है और खुद ही अपने सशस्त्र बल बनाता है। इसके अलावा, लावरोव ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई हालिया बैठक पर यूक्रेन की टिप्पणी को अपमानजनक करने की टिप्पणी की। जुलाई माह के लिए यूएनएससी की अध्यक्षता कर रहे रूस या एक एससी कक्ष को संबोधित करते हुए लावरोव ने कहा, 'यूरोप लता है कि भारत एक महान शक्ति है और खुद ही अपने राष्ट्रीय हित बचाने में तय है और अपने भागीदार चुनता है। हम जानते हैं कि भारत



अध्यक्षता करने के लिए न्यूयॉर्क में हैं। यूएनएससी की जुलाई महिने की अध्यक्षता रूस के पास है। पीएम मोदी ने किया था रूस का दो दिवसीय दौरा

प्रधानमंत्री मोदी ने 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति पुतिन के निमंत्रण पर 8-9 जुलाई के रूस का आधिकारिक दौरा किया। यूक्रेन युद्ध की शुरूआत के बाद मोदी की यह पहली रूस यात्रा थी। भारत ने अभी तक यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा नहीं की है और लगातार यूक्रेन व यूक्रेन के जमीन संघर्ष के समाधान की राहों की हैं। जेलेन्स्की की टिप्पणी का जिक्र करते हुए लावरोव ने कहा, 'यह बहुत

अपमानजनक था और यूक्रेन राजदूत को तत्काल विसर्जित था और भारतीय विदेश मंत्रालय ने रूस के बाद में जेलेन्स्की के बयान का जवाब दिया। कुछ अन्य यूक्रेन राजदूतों द्वारा की गई टिप्पणियों के जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'राजदूत वास्तव में ऐंठन व्यवहार कर रहे थे जैसे वे अधिक तेल क्यों खरीदें।

सीजेआई ने मांगी टॉपर्स की जानकारी

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि अगर आप हमारे सामने यह साबित कर देंगे कि बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई तभी री-एजमा का आदेश दिया जा सकता है। याचिकाकर्ता छात्रों के कक्षों ने कहा कि कुछ ऐसे छात्र भी आए हैं जिनकी रैंक 1 लाख 8 हजार छात्रों के बीच है, लेकिन उनको सरकारी कॉलेज नहीं मिला है।

पूछे गए सवाल पर जवाब दिया गया कि 52,000 सीटें हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ही कहा कि सरकार और हड़ कोर्ट को यह बता दें 100 छात्र किस शहर, जिले और सेंटर से आते हैं। इस पर सॉलीसीटर जनरल ने कहा कि बेमेल से पांच छात्र हैं, कई छात्र अलग-अलग प्रदेश से हैं, किसी शहर से एक किसी से शून्य भी है।

जीतन सहनी का हत्यारा लालू के ही परिवार का..

बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में सम्राट चौधरी का राजद पर निशाना

लखनऊ। बिहार प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष और गज के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू प्रसाद यादव या उनके परिवार को अपराध पर बोलने का हक ही नहीं है। लालू प्रसाद यादव तो मुख्यमंत्री कार्यालय में बैठकर सॉलिट आग्रह का संचालन करते थे। इस समय बिहार में अपराध पर यह बोल रहे हैं या उनके परिवार के लोग बोल रहे हैं, लेकिन रॉयल कि पूर्व मंत्री मुखेश सहनी के पिता का हत्या का केस निकला? हत्या करने वाला उनके ही परिवार में निकला। सम्राट चौधरी गुरुवार को बिहार भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति के दौरान भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

विस्तृत कार्यसमिति की सभा में सम्राट चौधरी ने कहा- कुछ लोग बोलते हैं कि कानून का राज खत्म



हो रहा है। और, उनको तो नैतिक अधिकार ही नहीं है। अगर वे या लालू जी के परिवार को बोलने का अधिकार है? क्या अधिकार है? लालू जी तो वेसे नेता हैं जो सरकार ही नहीं हो सकते हैं। यह लालू जी बहुत चाली करते हैं बिहार के किसान को। पूछें हैं कि केंद्र की सरकार मदद क्या करती है? तो याद कॉलेज जन राजकीय प्रेमी ने गोपी मोहन ने तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी से कहा कि हमारी सरकार काफिर तो उसी समय 4000 करोड़ रुपये का सलोकिया किया।

संयुक्त विपक्ष के तौर पर लड़ेंगे 2026 का विधानसभा चुनाव : भूपेन बोरा

दिसपुर। असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने गुरुवार को कहा कि वह 2026 का विधानसभा चुनाव 16 दलों संयुक्त विपक्ष के तौर पर लड़ेंगे। बोरा ने कहा कि तब तक पार्टी और संघ के अन्य सदस्य सभी जिलों में काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का 2026 का विस चुनाव साथ मिलकर लड़ने का मतलब यह नहीं है कि पार्टी हाथ पर हाथ रखकर बैठ जायें। चुनाव तक सभी दलों के संयुक्त का विचार करते रहेंगे। इससे किसी दल को कोई नुकसान नहीं होगा। बोरा ने कहा कि फेरम का हिस्सा होने का मतलब यह चर्च की नहीं है।

नहीं है कि किसी चुनाव में सीटों का समान वितरण न किया जाए। विपक्षी समूह को उनकी ताकत, राष्ट्रपति और निचले स्तर के उद्देश्य के अनुसार सीटें दी जाती हैं। मौजूदा फेरम में असम जेल पार्टी और असम सदस्य सभी जिलों में काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का 2026 का विस चुनाव साथ मिलकर लड़ने का मतलब यह नहीं है कि पार्टी हाथ पर हाथ रखकर बैठ जायें। चुनाव तक सभी दलों के संयुक्त का विचार करते रहेंगे। इससे किसी दल को कोई नुकसान नहीं होगा। बोरा ने कहा कि फेरम का हिस्सा होने का मतलब यह चर्च की नहीं है।

का प्रस्तावित किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष डब्ल्यू.ओ.एन.एफ 2024 के कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. हरश्री पाटिल, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. दीपा, कॉपीराइट संस्था निदेशक श्री तलवारी, डीन, विभागाध्यक्ष, कला ध्यालय के कर्मचारी और छात्र तथा (ऑनलाइन और ऑफलाइन) थे। डॉ. अनु जी पिल्लाई, सहायक और आईक्यूएसी समन्वयक, कला ध्यालय समारोह के संचालिका थीं। विश्वविद्यालय के आईक्यूएसी और सम्मेलन की संयोजक डॉ. श्रीमि गिदर ने उद्घाटन के दौरान के बारे में जानकारी दी।

21						22			

स	वि	दा		ब	स	व	त	ना	

पांडे, संयुक्त संचालक समाज कल्याण श्रद्धा मैथुन सहित समिति के सदस्य, अधिकारी मौजूद थे।

[illegible]

■ न्यूज गैलरी

प्राइम डे 2024 के लिए अमेजन पे के रोमांचक ऑफर

नई दिल्ली। अपने कैलेंडर में नोट कर ले और 20 और 21 जुलाई को प्राइम डे नवंबर के आठ वीर बेलगरी खरीदारी अनुभव का लभ लेने के लिए हो जाएं। इस प्राइम डे पर, रोमांचक नए उत्पाद लांन्ग, ब्लॉकबस्टर मनीरोन कंटे और खर्ष की कुल सल्लस वेल्लस के लिए हो जाएं। अमेजन पे के साथ, आपको आनंद, बचत और रिवार्ड से भरे प्राइम डे अनुभव की पूरी गारंटी है। प्राइम डे आ गया है और अमेजन पे के साथ, आप ऑफर को और भी बेहतर बना सकते हैं। ग्राहक अमेजन पे आईसीआईआई बैंक क्रेडिट कार्ड के साथ अपनी सभी प्राइम डे खरीदारी पर कर्ड के मौजूदा 5 प्रतिशत असीमित डिस्काउंट के लाभों के अलावा 5 कैंपेनिक का भी आनंद ले सकते हैं।

एयर इंडिया फ्लाइट सर्विस से अलग स्थायी स्टाफ के लिए लाई वीआरएस और वीएसएस स्क्रीम



नई दिल्ली। टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया ने फ्लाइट सर्विस (उड़ान सेवा) को छोड़कर दूसरे चीजों से जुड़े कम से कम पांच साल तक की सेवा वाले स्थायी कर्मचारियों के लिए स्वीकृत सेवागारि योजना यानी वीआरएस स्क्रीम पेश की है। साथ ही कंपनी के साथ पांच साल से कम समय के साथ कर कर कर्मचारियों के लिए स्वीकृत प्रथमपण योजना यानी वीएसएस लाई वी है। भाषा की खबर के मुताबिक, विस्तार के साथ मर्च (विलय) से पहले यह कदम उठाया गया है। सूचना के कानून वीआरएस और वीएसएस कर्मचारियों के लिए है, जिन्होंने कंपनी में पांच साल की सेवा पूरी कर ली है।

बैंक-बिल्डरों की ओर से घर खरीदारों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक



नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-पुनर्जीआर के उन मामल खरीदारी को बड़ी राहत दी है जिन्हें अपने तब बिस्तर से उठने परफिट का कब्जा नहीं मिला है। अदालत ने निर्देश दिया है कि ईएमआई भुगतान को लेकर बैंक, वित्तीय संस्थान या बिस्तर घर खरीदारों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करे और उनसे संबंधित चेक बाउंस के किसी भी मामले पर विचार नहीं किया जाएगा। सीएम अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने कई मामल खरीदारों की वे याचिकाएं खारिज कर दी थीं जिनमें बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि जब तक रीयल एस्टेट डेवलपर्स अपने फ्लॉटों का कब्जा नहीं दे देते तब तक समान मासिक किस्त (ईएमआई) नहीं बढ़ाया जाए। उच्च न्यायालय के आदेश से असंतुष्ट नवमल खरीदारों ने सीएम अदालत का रुख किया था, जहां अदालत इस मुद्दे पर गौर करने के लिए सलाह दी गई और संबंधित पक्षों से जवाब मांगा। न्यायाधीश सुब्रह्मण्यम और न्यायाधीश उज्जल भूषा की पीठ ने 14 मई, 2023 के उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर केंद्र, बैंकों और अन्य को नोटिस जारी किए हैं। इस बीच, सभी मामलों में अंतर्निहित रोक रहेगी। इस दौरान घर खरीदारों के खिलाफ बैंकों/वित्तीय संस्थानों या बिस्तर/डेवलपर्स की ओर से परकृत्य लिखत अधिनियम, 1981 की धारा 138 के तहत शिस्तवादी सौदा को दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। ज्यादातर वित्तीय संस्थानों/बैंकों ने जवाबी हलफनामा दाखिल कर दिया है।

बाजार में भारी तेजी, ऑल टाइम हाई पर सेंसेक्स-निफ्टी



मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों आज ताजा ऑल टाइम हाई पर बंद हुए हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक सेंसेक्स 0.78 फीसदी या 626 अंक की बढ़त के साथ 81,343 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह अधिकतम 81,522.55 अंक तक गया, जो ताजा ऑल टाइम हाई लेवल है। बाजार बंद होते समय सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान पर और 8 शेयर लाल निशान पर थे। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक निफ्टी आज 0.76 फीसदी या 187 अंक की बढ़त लेकर 24,800 पर बंद हुआ। यह आज अधिकतम 24,837.75 अंक तक गया, जो ताजा ऑल टाइम हाई लेवल है। बाजार बंद होते समय निफ्टी के 50 शेयरों में से 35 शेयर हरे निशान पर और 15 शेयर लाल निशान पर थे।

■ आईटी शेयरों में उछाल

गिगवर्थ निफ्टी मीडिया 3.62 फीसदी दर्ज हुई। इसके अलावा निफ्टी कंजुमर ड्यूरेल्स में 1.03 फीसदी, निफ्टी मिडमोल हेल्थकेयर में 0.40 फीसदी, निफ्टी रिफर्मी में 0.01 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.01 फीसदी, निफ्टी 0.05 फीसदी और निफ्टी मेटल में 0.99 फीसदी दर्ज हुई।

इससे इतर सबसे अधिक तेजी निफ्टी आईटी में 2.23 फीसदी दर्ज हुई। इसके अलावा निफ्टी बैंक में 0.37 फीसदी, निफ्टी आईटी में 0.43 फीसदी, निफ्टी पाइपलाइन सर्विसेज में 0.52 फीसदी, निफ्टी एयरस्पेसवी में 0.94 फीसदी, निफ्टी ग्राइडवैर बैंक में 0.34 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर में 0.18 फीसदी और निफ्टी ऑथल एंड गैस में 0.04 फीसदी की तेजी दर्ज हुई।

एप्पल ने वित्त वर्ष 2024 में भारत में बिक्री की नई ऊंचाई की हासिल



नई दिल्ली। भारत द्वारा उत्पादन-लिंकड प्रोसेसिंग (पीएलआई) योजना लागू करने के कारण एप्पल विनिर्माण में आई तेजी ने चीन और विटनमाल जैसे देशों को परेशान कर दिया है। दोनों ही देश चीन और विटनमाल इस मामले में लड़खड़ा रहे हैं। टेक दिग्गज एप्पल ने इसी कारण पिछले वित्त वर्ष 2024 में भारत में लगभग 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को हुआ है, जो लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि (कॉन्स-टु-वॉ) है। मुद्रों के अनुसार दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में प्रीमियमसेगमेंट की सोच के कारण आईफोन ने अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है, जिससे इसे बढ़ने में मदद मिल रही है। भारत द्वारा पीएलआई योजना को बढ़ावा देने के कारण मोबाइल फोन निर्यात में वित्त वर्ष 2024 में काफी वृद्धि हुई। इसकी वजह से चीन और विटनमाल जैसे मोबाइल बनाने वाले दिग्गज देश भारत से पीछे हट गए।

अमेजन इंडिया ने की प्राइम डे 2024 टिक्स की घोषणा

नई दिल्ली। अमेजन इंडिया ने आज इस प्राइम डे के लिए शानदार डील्लर नॉन् लांन्ग और ब्लॉकबस्टर मनीरोन लाइनअप की घोषणा की जो 20 और 21 जुलाई को होगा।

इस कार्यक्रम में अक्षय राइडर और ऑफ अमेजन प्राइमर डिलीवरी और रिटर्न अनुभवों इंडिया और उपरते बाजारों अतिथल अगवाल्स निदेशक और हेड ऑफ प्राइमर अमेजन इंडियाय मनीष मेघाणी निदेशक 'द कंटेनर लॉसेमिंस', प्रदम वीडियो, इंडिया और रंजित बाबु, निदेशक वयारल्लेस और टीवीअ अमेजन इंडिया सलित अमेजन और प्राइम वीडियो के लीडर्स शामिल हों। इस अवसर पर अमेजन लीडर्स के साथ, उद्योग जगत के दिग्गज जैसे अमन गुप्ताय सह-संस्थापक और सीएमओ कोटय विशाल शिंण्डे हेड



ऑफ ई.कॉमर्स, अगरोय जय कृष्णएर सीईओ सीमलान्डी सायु एशिया प्राइवेट लिमिटेडय और राहुल पारुय निदेशकए एम्प्लेस बिजनेसए सीएमए इंडिया उपस्थित होंगे। अमेजन इंडिया अपने इस साल के सबसे प्रतिष्ठित 21वर्षीय उत्सव की मेजबानी करने के लिए तैयार है। वित्त वर्ष 2024 में प्राइम डे 2024 के दौरान खुशियों खोबनेन्तु के लिए

बजट में डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा देने की मांग कर रही है साइबर सिक्योरिटी कंपनियां नई दिल्ली। जैसे-जैसे भारत डिजिटल इंडिया के तहत तेजी से अनपाने के लिए तैयार हो रहा है, साइबर सुरक्षा फर्म अगामी केंद्रीय बजट में सरकार से अधिक स्पॉट की मांग कर रही हैं। उनका मानना है कि देश की डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अधिक फंडिंग और प्रोत्साहन के लए जरूरी है। इन्तरे लैब के सीईओ और सह-संस्थापक तरुण विग ने कहा कि यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। एआई और मशीन लर्निंग मॉडल को परफेक्ट साइबर हमलों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए सरकारी समर्थन की आवश्यकता होती है। विग ने टॉप साइबर सिक्योरिटी टैलेंट को बढ़ावा देने और बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया, साथ ही कंपनियों को विशेष रूप से साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्टिजन के लिए, ड्यू मॉडल के प्रशिक्षण, निवेश करने के लिए सलाह बनाया। उन्होंने कई संभावित लाभों पर प्रकाश डाला

सेक्टरल सूचकांकों का हाल सेक्टरल सूचकांकों की बात करें, तो आज सबसे अधिक गिगवर्थ निफ्टी मीडिया 3.62 फीसदी दर्ज हुई। इसके अलावा निफ्टी कंजुमर ड्यूरेल्स में 1.03 फीसदी, निफ्टी मिडमोल हेल्थकेयर में 0.40 फीसदी, निफ्टी रिफर्मी में 0.01 फीसदी, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.01 फीसदी, निफ्टी 0.05 फीसदी और निफ्टी मेटल में 0.99 फीसदी दर्ज हुई।

इससे इतर सबसे अधिक तेजी निफ्टी आईटी में 2.23 फीसदी दर्ज हुई। इसके अलावा निफ्टी बैंक में 0.37 फीसदी, निफ्टी आईटी में 0.43 फीसदी, निफ्टी पाइपलाइन सर्विसेज में 0.52 फीसदी, निफ्टी एयरस्पेसवी में 0.94 फीसदी, निफ्टी ग्राइडवैर बैंक में 0.34 फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर में 0.18 फीसदी और निफ्टी ऑथल एंड गैस में 0.04 फीसदी की तेजी दर्ज हुई।

रियलमी ने 'स्मार्टवॉच एस2' के साथ एआई इकोसिस्टम का किया विस्तार



नई दिल्ली। ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के चलते अब विस्केल टेक्नोलॉजी का परिदृश्य बदलाव के ते और गहरा रहा है।

विस्केल टेक्नोलॉजी ने शुरूआत में विटनमाल ट्रेकिंग और नोटिफिकेशन जैसे फीचर्स के लिए लोकप्रियता हासिल की, लेकिन जैसे-जैसे ये अपन होते गए, उपभोक्ताओं की इत्सर्षयता बढ़ने लगी है। अब एडवांस कैपेबिलिटी की डिमांड बढ़ी, जिसेन इंडस्ट्री में क्रांति लाने के लिए एआई की जरूरत पड़ी। यह बिजनेस वर्ल्ड में एक बड़े टेक को दर्शाता है- एआई अब कॉन्सोर्ट नहीं है, बल्कि टेक बांड के लिए प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए महत्वपूर्ण घटक है।

एआई विस्केल मार्केट में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जिसके 2024 में 62.7 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। यह उछाल हेल्थ, फिटनेस और परनललाइव टेक्नोलॉजी में उपभोक्ताओं की बढ़ती दिलचस्पी से प्रेरित है। दुर्दशी बांड इन बदलाव को पहचान रहे हैं और उपभोक्ता की बढ़ती डिमांड को पूरा करने और मार्केट शेयर हासिल करने के लिए एआई सॉल्यूशन में निवेश कर रहे हैं।

सोना असली है या नकली? कैसे करें गोल्ड की सटिक पहचान?



नई दिल्ली। भारत में सोने की खरीदारी की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। शायद से लेकर कई तरह के मौके पर सोने की डिमांड बड़ जाती है। इस दौरान सोने की ज्वेलरी की खरीदारी खूब होती है। हालांकि आकालक बाजार में मिल रहे नकली सोने के चक्के सोने की ज्वेलरी खरीदने से पहले ये सवाल हमारे मन में जरूर आती है कि क्या ये सोना नकली तो नहीं है। इसलिए खरीदारी से साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्टिजन के लिए, ड्यू मॉडल के प्रशिक्षण, निवेश करने के लिए सलाह बनाया। उन्होंने कई संभावित लाभों पर प्रकाश डाला

दरअसल, असली हॉलमार्किंग जो होती है जिसमें भारतीय मानक ब्यूरो का इस्तेमाल होता है। इसपर सोने की शुद्धता भी लिखी जाती है। अगर सोने का हॉलमार्क 375 है तो यह 37.5 फीसदी शुद्ध होता है, वहीं, अगर हॉलमार्क 585 है तो यह सोना 58.5 फीसदी शुद्ध होता है। इसके साथ ही हॉलमार्क 750 वाला सोना 75.0 फीसदी शुद्ध होता है और 916 हॉलमार्क वाला सोना 91.6 फीसदी शुद्ध होता है। वहीं, 990 हॉलमार्क होने पर सोना 99.0 फीसदी और 999 होने पर सोना 99.9 फीसदी शुद्ध होने को गारंटी देता है।

ये होती है असली सोने की पहचान

इसके साथ ही केरेट भी चेक करना जरूरी है। 24 केरेट सोने को सबसे शुद्ध (99.9 प्रतिशत) माना जाता है। यानी यह सोना 100 फीसदी शुद्ध होता है। इससे कम सोना सिर्फा और बार बनाने में किया जाता है। इसमें कोई अन्य मेटल नहीं मिलाया जाता है। जबकि 22 केरेट सोना 91.6 फीसदी शुद्ध होता है। यह सोने की ज्वेलरी बनाने के लिए बेहतर माना जाता है। 22 केरेट सोने की ज्वेलरी बनाने में 22 परस सोने और दो परस सिल्वर, निकेल या कोई अन्य मेटल का इस्तेमाल होता है।

बीआईएस हॉलमार्क की पहचान करना जरूरी

असली और नकली सोने में अंतर जानने के लिए हॉलमार्किंग की पहचान करना जरूरी है। इससे आप सही ज्वेलरी खरीद

भारती एयरटेल फाउंडेशन ने 'भारती एयरटेल छात्रवृत्ति प्रोग्राम' किया लॉन्च

नई दिल्ली। भारती एयरटेलने अपनी 25 साल पूरे होने के उत्सव में, 'भारती एयरटेल छात्रवृत्ति प्रोग्राम' लॉन्च कर रही है। यह छात्रवृत्ति कार्यक्रम विद्यार्थियों की योग्यता और उनकी आर्थिक प्रकृति दोनों को ध्यान में रखते हुए, आईआईटी सीईए 'राष्ट्रिय संस्थान रीसर्च प्रेमक' (एसआईआरएफ) के मानकों के अनुसार सीसी सर्वेय रीसर्च प्रा 50 (इंजीनियरिंग) कॉलेजों में, प्रोफेसर्स की आगारि इंडीपेंडेंसरी के खासक सरीय और एकीकृत कार्यक्रम (5 वर्ष तक) में भागीदारी करने वाली में बर्कवियों पर ध्यान केंद्रित करे हुए विविध सामाजिक-आर्थिक प्रकृति के योग्य विद्यार्थियों को सहायता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह अप्रैल 2024 में प्रवेश के लिए पर विद्यार्थियों पर लागू होगा। इस वर्ष 250 विद्यार्थियों को लाभांशित करने के साथ से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम को, विद्यार्थियों के ऐसे प्रत्येक समूह में इसका समर कार्यक्रमनाम होने पर भविष्य में इससे लाभांशित होने वाले विद्यार्थियों की संख्या को भी-थीर बढ़ाने का उद्देश्य रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। कार्यक्रम के समय पर पहुंचने पर प्रति वर्ष 7100+ करोड़ के विद्यार्थियों के साथ डिजिटल माध्यम से 4,000 विद्यार्थियों को लाभांशित करने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्रामीण बैंकों के डिजिटलीकरण के लिए नाबार्ड व पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता



नई दिल्ली। वित्तीय समावेशन की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करने राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) और ऑलइंडिया पीएसबी लोन लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञान (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। यह एमओयू जम्मू-शुक्ल पेंडल के माध्यम से एक मंच से जुड़े सभी 43 ग्रामीण बैंकों को जो उन सुझाव क्षेत्रों के लक्ष्य नामांकन और दया निष्पत्ती की प्रक्रिया को सुगम बनाएगा। नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी की वी और उप प्रबंध निदेशक डॉ. अमर कुमार शर्मा सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के प्रमुखों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना की शुरुआत की। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय अंतर को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साक्षि हो है ताकि वित्तीय स्थिरता नाबार्ड या बैंक और समावेशी विकास को बढ़ावा दिया जा सके। परियोजना का लक्ष्य एक्सप्लोरेशन प्रोग्रामिंग इंटरप्रेस (एपीआई) के माध्यम से जम्मू-शुक्ल पेंडल को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के डिजिटल समाधान मुहैया कराना जाएगा जिससे ये सक्षम बनेंगी। इसके अतिरिक्त के मौके शाजी की वी ने कहा कि, इस पहल को शुरुआत ग्रामीण भाग में डिजिटल वित्तीय सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी बढ़ावा है।

जीएसटी को सरल बनाया जाए, नए क्षेत्रों में पीएलआई का विस्तार हो

मुंबई। एएसएसई सेक्टर जुलाई में पेश होने वाले केंद्रीय बजट में सरकार की ओर से उद्योगों की बढ़ती परेशानियों को कम किए जाने की उम्मीद कर रहा है। एएसएसई सेक्टर की प्रमुख मांगों में जीएसटी को सरल बनाने से लेकर भुगतान के नए नियम



को एक सप्ताह के लिए टाइन और नए क्षेत्रों में प्रोडक्शन लिंकड इंसिस्टेंस (पीएलआई) योजना लागू करने की याचत शामिल है। सूत्र, लघु व मझले उद्योग (एमएसएमई) जुलाई में पेश होने वाले बजट में केंद्र सरकार से अपने लिए सरकारी फसलों की उम्मीद कर रहे हैं। उनकी प्रमुख मांगों में जीएसटी को सरल बनाने से लेकर भुगतान के नए नियम (धारा 43बी) को एक साल के लिए रोक कर नए क्षेत्रों में प्रोडक्शन लिंकड इंसिस्टेंस (पीएलआई) योजना को लागू करना शामिल है। जानकारों का

देश में जीवन बीमा की पहुंच महज 3.2 प्रतिशत लोगों तक

■ ग्रामीण इलाकों में दायर बढ़ाने से जरूरी कदम उठाने जरूरत

नई दिल्ली। जीवन बीमा वित्तीयों और उनके परिवारों को विभिन्न भीषणिक क्षेत्रों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में वर्तमान में जीवन बीमा से आच्छादित लोगों का प्रतिशत वर्तमान में 3.2 प्रतिशत है। नियामक ने अतीत में भी जीवन बीमा सुरक्षा के मामले में 70-80 प्रतिशत की कमी की बात कही है। यह वास्तविक कवरेज और वित्तीयों और उनके आश्रितों के पर्याय वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक राशि के बीच बड़े अंतर को इंगित करता है। इस तरह के केंद्रीय बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से देश के जीवन बीमा क्षेत्र को काफी उम्मीद है।



श्रीराम लक्ष्मण इश्योरेंस कंपनी के एसीडी और सीईओ केएसएस क्रीमिंद के अनुसार भारत में जनसंख्या का एक बड़ा हिस्सा जीवन बीमा से वंचित है। विश्व बैंक संसार संकेतकों के अनुसार देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। ये ग्रामीण क्षेत्रों का एक स्तर, कामाई के पैटन, सेवाओं के विवरण और अनौपचारिक मानकों में अपने शहरी समकक्षों से अलग है। यह भी देखा गया है कि अधिकांश ग्रामीण वित्तीय संस्थानों का बड़ा ध्यान शहरी क्षेत्रों की ओर है, क्योंकि यहां रहने वाले जागरूकता के मामले में सागे हैं, उच्च और अधिक स्थिर आय के साथ ही उन तक पहुंच भी आसानी से सुगम है।

दुसरी ओर ग्रामीण आबादी के परिवारों में यह देखा गया है कि कम आय का स्तर के कारण परिवार के लिए रीटो रकमाने वाले को खो देने की स्थिति में उन्हें वित्तीय तबाही का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उनकी स्थिति बहुत कमजोर हो जाती है। इस आबादी को जीवन बीमा सुरक्षा के तहत लाना महत्वपूर्ण है।

छत्तीसगढ़ में खंड-खंड होती वर्षा और सूखे का संकट

अषाढ़ में जलाशयों के सूखे कंठ



1 जून से अब तक 287.5 मि.मी. ही बारिश हुई, होनी थी 343.9 मि.मी.

नवप्रदेश टीम, नीरज उपास्यार रायपुर, रिजुन सिंह रावत बिलासपुर, सुप्रम शर्मा बाली और विजय शर्मा धमतरी की रिपोर्ट

रायपुर/नवप्रदेश। इस बार छत्तीसगढ़ में बरफ़ा देव रुड़े-रुड़े से हैं। प्रदेश के अलग-अलग जिलों में रुक-रुककर हो रही बारिश और यहां से मिल रहे आंकड़े से खडग्यां के संकेत मिल रहे हैं। ऐसे में यह स्थिति चिंताजनक है। प्रदेश के सभी बड़े जलाशयों में सूखे के हालात हैं। वहीं अच्छी बारिश के इंतजार में खेतों में बोवनी भी फिखड़ गई है। सूखे खेतों को देख अब तो

किसान भी चिंतित दिखाई दे रहे हैं। प्रदेश के बांधों में जल भंडारण महज 34 फीसदी ही रह गया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में मानसून आने के बावजूद उत्तरी बारिश नहीं हुई, जितनी होनी चाहिए थी।

मौसम विभाग का कहना है कि अब तक प्रदेश में 29 फीसदी कम बारिश हुई है। इस वजह से प्रदेश के कई डैम सूखने के कगार पर हैं। कुल मिलाकर प्रदेश में सूखे के हालात न भविष्य की स्थिति को स्पष्ट करते नजर आ रहे हैं। आगे अगर बारिश ऐसे ही कमजोर रहे तो फसलों पर इसका असर

दिखाई देगा। वहीं शहरों में पानी के लिए बेहद जटिल हालात निर्मित होंगे, वहीं महंगाई बढ़ने से आमजन-जीवन प्रभावित होगा। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में औसत से 29 फीसदी कम बारिश हुई है। 1 जून से अब तक 244 मिलीमीटर ही बारिश हुई है। हालांकि अब तक 343.9 मिलीमीटर वर्षा हो जानी चाहिए थी। छत्तीसगढ़ के हालात देखें तो 8 जिलों में बारिश न के बराबर हुई है। कमजोर मानसून और कम बारिश का सबसे ज्यादा असर जीवनदायिनी जलाशयों में देखने को मिल रहा है।

जलाशयों में केवल 3 फीसदी ही जलभराव

पिछले बीस दिनों में प्रदेश के जलाशयों में महज 3 फीसदी जलभराव हो सका है। अषाढ़ के मौसम में भी इतनी कम बारिश ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। फिलहाल जितनी बारिश हुई है उससे राज्य के बड़े बांधों के हालात में सुधार होता नहीं दिख रहा है। इस तरह प्रदेश के बांधों में जल भंडारण महज 34 फीसदी ही रह गया है।



अब तक जिलों में दर्ज औसत वर्षा

रायपुर - 265.5 मिमी
बलौडकांडा - 300.2 मिमी
नरियार - 348.9 मिमी
नरसिंहपुर - 226.6 मिमी
धमतरी - 288.6 मिमी
बिलासपुर - 339.9 मिमी
नुगेरी - 515.9 मिमी
रायगढ़ - 229.0 मिमी
साठगढ़-बिलासगढ़ - 190.5 मिमी
जंजगीर-बापा - 313.7 मिमी
सवाई - 275.0 मिमी
कोरबा - 94.4 मिमी
जीर्ण - 342.1 मिमी
दुर्ग - 184.2 मिमी
कबीरघाट - 259.0 मिमी
रायगढ़-नरसिंहपुर - 256.0 मिमी
कोरबा-नरसिंहपुर - 256.0 मिमी
2722 मिमी
कोरबा-नरसिंहपुर-बापा-गंडी - 190.9 मिमी
बाबई - 276.7 मिमी
बैजपुर - 172.6 मिमी
बलार - 383.0 मिमी
कोरबा-नरसिंहपुर - 286.4 मिमी
कोरबा - 289.0 मिमी
नरसिंहपुर - 317.0 मिमी
दोडगढ़ - 18.3 मिमी
सुपना शिले - 448.2 मिमी
औसत वर्षा छह जून से अब तक दिखाई की गई।

खूंटाघाट में 30 हजार मिलीयन क्यूबिक फीट पानी कम



इस साल बारिश कम होने के कारण अभी तक खूंटाघाट बांध में 1 लाख 14 हजार मिलीयन वाटर पानी बचा है, जो पिछले साल से करीब 30 हजार मिलीयन वाटर पानी कम है। जबकि बांध की क्षमता 1 लाख 95 हजार मिलीयन वाटर पानी रखने की है। अक्टूबर के दौरान अभी तक केवल 60% ही बचा पड़ा है, जबकि पिछले वर्ष 10 जुलाई तक बांध 75% भर गया था। इस जलाशय से खूंटाघाट के लिए करीब 48 हजार और राबई के लिए लाई लाइन एंटरप्राइज सुविधा को स्थिति करने पानी दिख जा सकता है। इसे 1920-30 से करीब 25 से हरेकटर सुविधा में किया गया है। खूंटाघाट डिजिटल के कार्ड पालन अभियान का पद के अनुसार बारिश की स्थिति बन रही है और जलाशय भरने की उम्मीद है।



अरपा भैसाझार बैराज 42 फीसदी भराव

वहीं 2013 में अरपा भैसाझार बैराज की शुरुआत हुई। अभी भी यहां नहरों का काम चल रहा है। इसकी क्षमता करीब 22 लाख मिलीयन ग्रास मीटर है इस साल अब तक 42 फीसदी जल भराव हुआ है। बैराज से 25 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित होती है। इसका एरिया 6 लाख स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र है।

घोंघा जलाशय में 66 फीसदी भराव

कपरी रोड कोटा में स्थित घोघा जलाशय जिसे कोरी डैम भी कहा जाता है। इस साल यहाँ 66 फीसदी जल भराव हुआ है, जबकि पिछले वर्ष यहाँ इस समय तक 70 फीसदी से अधिक जल भराव हो चुका था। यहाँ जलाशय की क्षमता लगभग 1 लाख 9 हजार मिलीयन ग्रास है। यह जलाशय 8 हजार 3 की हेक्टेयर में फैला हुआ है।

प्रदेश के ये हैं प्रमुख जलाशयों की वर्तमान स्थिति

कोटा-घोंघा	अरपा-भैसाझार बैराज	मुसमसिल्ली	बालोद-तांदुला
क्षमता- 19 लाख मिलीयन वाटर दर्जितान- 66 फीसदी जल भराव	क्षमता- 22 लाख मिलीयन वाटर दर्जितान- 42 फीसदी जल भराव	क्षमता- 5.538 टीएमपी दर्जितान- 0.147 टीएमपी	क्षमता- 322.18 घनमी. दर्जितान- 16.05 घनमी.
बिलासपुर-खूंटाघाट	धमतरी-गंगरेल बांध	सौंदूर बांध	खरखरा
क्षमता- 195 लाख मिलीयन वाटर दर्जितान- 1.14 लाख मिलीयन वाटर	क्षमता- 32 टीएमपी दर्जितान- 6.390 टीएमपी	क्षमता- 6.996 टीएमपी दर्जितान- 1.577 टीएमपी	क्षमता- 327.57 घनमी. दर्जितान- 29.39 घनमी.



तीन जिलों को पालने वाले तांदुला को बारिश का इंतजार

बालोद। जिले में कमजोर बारिश की स्थिति के कारण तीन जिलों को पालने वाले व एरिया के सबसे बड़े इस्पात संयंत्र को सप्लाई देने वाला जलाशय इस बार भारी बारिश में हॉपने लगा है। सिंचाई विभाग के आंकड़े बताते हैं इस बार जलाशय में अब तक की स्थिति में पर्याप्त भराव नहीं हो पाया है। जिले के डेमों की स्थिति पर नजर डालें तो यह आंकड़े चिंताजनक हैं। प्रमुख तांदुला जलाशय में 322.18 घनमी. क्षमता है। वर्तमान में यहाँ पानी का भराव 16.05 घनमी ही है। खरखरा में 327.57 घनमी. क्षमता है, जहाँ 29.39 मीटर पानी भरा है। मटिया मोती में 324.64 घनमी. क्षमता है, पर 6.28 घनमी. पानी है। वहीं गोंदली की 335.18 घनमी. क्षमता है, लेकिन केवल 6.42 घनमी. ही पानी शेष है।



कैचमेंट एरिया में नहीं हुई बारिश..

धमतरी जिले के चार बांधों में पिछली जुलाई की तुलना में जल संग्रहण कम

धमतरी। इस साल पड़ोसी भीमार्ग गमी के चलते जिले के गंगरेल सहित सौंदूर, मुसमसिल्ली व दुधवा बांध में पानी की स्थिति बेहद खराब है। पिछले वर्ष भी कम बारिश के चलते इन बांधों में पानी का संग्रहण काफी कम था, वहीं इस बार भीमार्ग गमी के कारण बांधों में पानी काफी कम हो गया है।

विभाग से मिली जानकारी अनुसार अभी गंगरेल में 6.402, मुसमसिल्ली में 0.147, दुधवा में 1.526 व सौंदूर बांध में 1.609 टीएमपी पानी शेष है। पिछली जुलाई की तुलना में जल संग्रहण की मात्रा

इस बार काफी कम है। विभाग के अनुसार इसका मुख्य कारण कैचमेंट एरिया में पानी का नहीं मिलना है।

पहली बार बनी गंगरेल में ऐसी स्थिति, नहीं मिलेगा बीएसपी को पानी

गंगरेल बांध में इस बार इस तरह का गंभीर जल संकट पहली बार देखा जा रहा है। बता दें कि गंगरेल बांध से ही भिलाई इस्पात को पानी की सप्लाई होती है। इसके अलावा

बांधों की ये हैं स्थिति

जल संवधान विभाग के आंकड़ों के अनुसार गंगरेल बांध की क्षमता 32 टीएमपी है, जिसमें 6.390 टीएमपी, 4.87 प्रतिशत पानी बचा है। वहीं मुसमसिल्ली बांध की क्षमता 5.538 टीएमपी है, जिसमें से 0.147 टीएमपी, 0.46 प्रतिशत पानी है। दुधवा बांध की क्षमता 10.192 टीएमपी है, जिसमें 1.532 टीएमपी, 13.68 प्रतिशत पानी, वहीं सौंदूर बांध की क्षमता 6.996 टीएमपी है, जिसमें 1.577 टीएमपी 14.64 प्रतिशत पानी बचा है।

धमतरी, रायपुर, बिरावा नगर निगम के लाखों लोगों को भी पेयजल गंगरेल से ही मिलता है।

फिलहाल, गंभीर स्थिति को ध्यान देकर हुए भिलाई इस्पात को पानी नहीं दिया जा सकता है।

